कक्षा छठी

रहीम के दोहे

रहिमन वे नर मर चुके ,जे कहुँ माँगन जाँहि ।
उनते पहले वे मुए,जिन मुख निकसत नाँहि।।

दोनों रहिमन एक से, जो
लौं बोलत नाँहि।
जान परत हैं काक-पिक,
रितु बसंत के माँहि।।

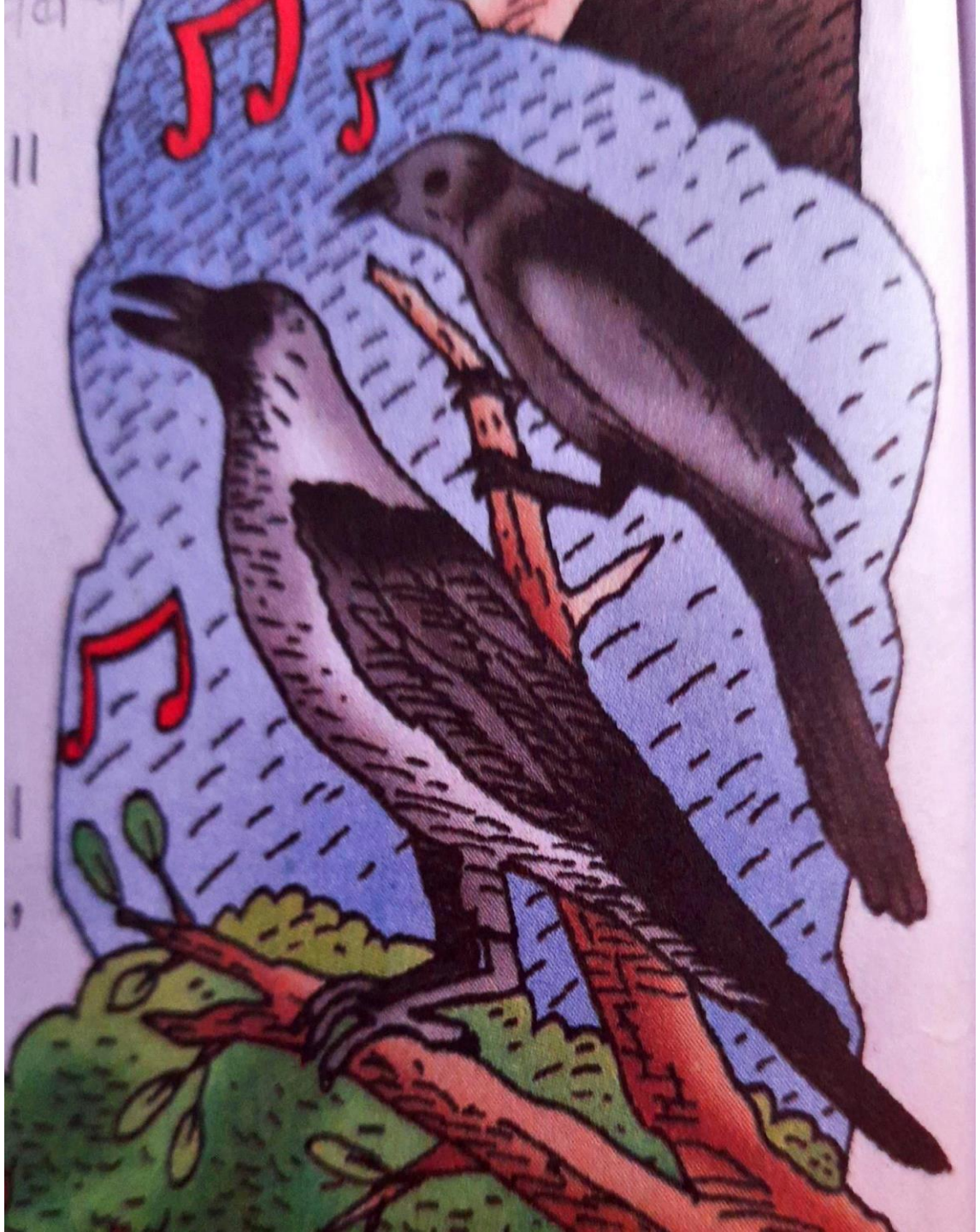

तरुवर फल नहीं खात हैं ,
सरवर पियहि न पान।
कहि रहीम पर काज हित,
संपति संचहि सुजान। ।

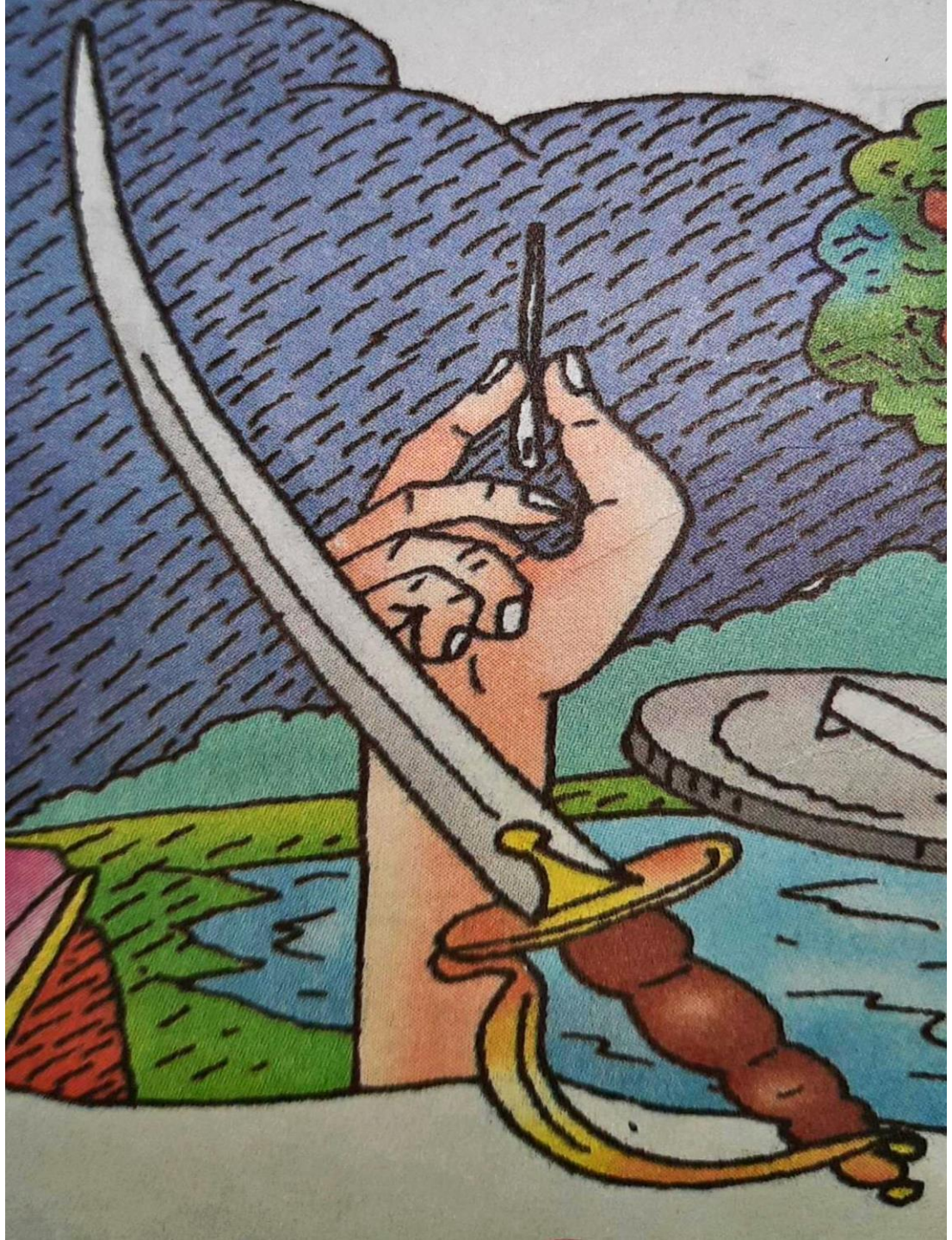

रहिमन देखी बड़ेन को,
लघु न दीजिए डारि ।
जहाँ काम आवे सुई,
कहा करे तलवारि। ।

रहिमन निज मन की बिथा
मन में राखो गोय।
सुनि अठिलैहें लोग सब,
बाँटि न लैहें कोय।।

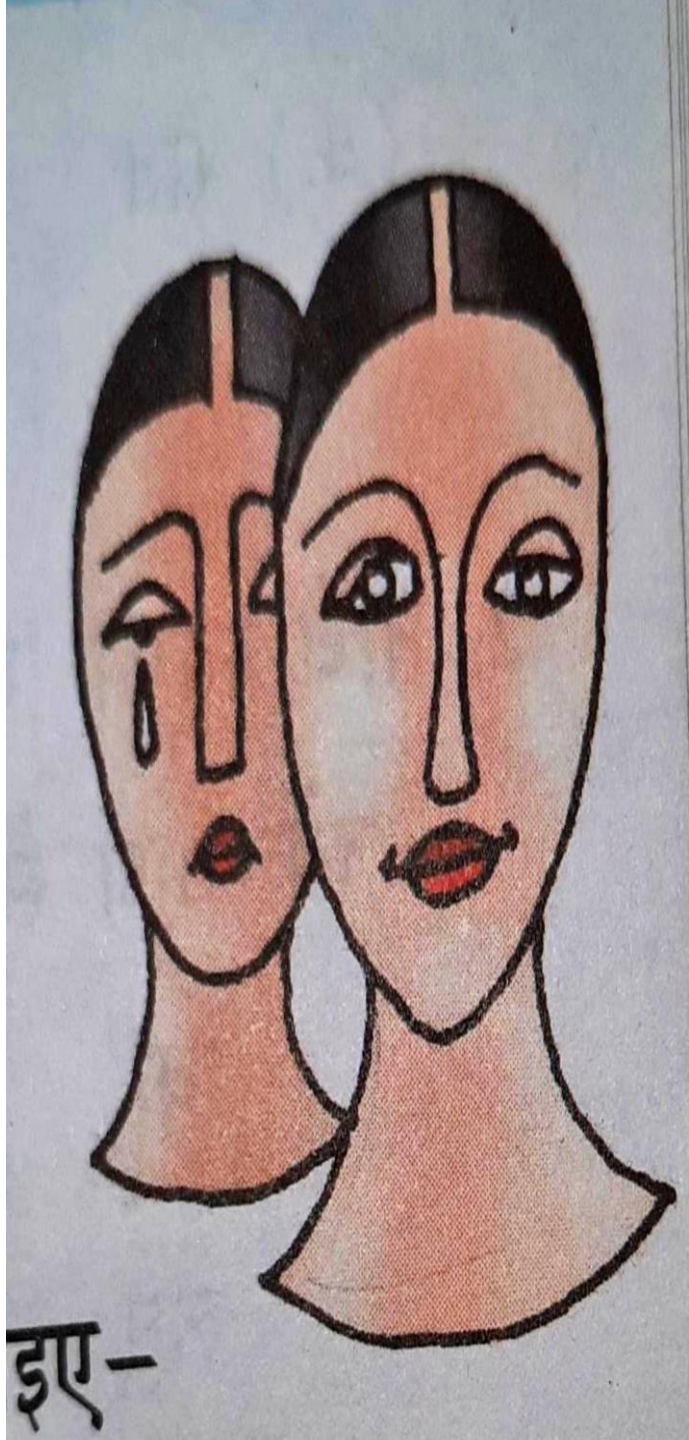

Class-6
DATE: / 20
PAGE No

पाठ – 9 दोहे

प्र०1. रहीम ने कैसे व्यक्ति को मरे व्यक्ति के समान बताया है?

उत्तर:– रहीम ने उन व्यक्तियों को मरे हुए व्यक्तियों के समान माना है जो कहीं पर माँगने जाते हैं।

प्र०2. तरुवर और सरोवर की क्या विशेषता है?

उत्तर:– तरुवर और सरोवर की मुख्य विशेषता यह कि वे दोनों ही दूसरों का भला करते हैं।

प्र०3. सज्जन व्यक्ति किसके लिए धन संचय करते हैं?

उत्तर सज्जन व्यक्ति दूसरों के भले के लिए धन संचय करते हैं।

प्र०4. अपने मन की पीड़ा को सबके सामने क्यों व्यक्त नहीं करना चाहिए?

उत्तर:– अपने मन की पीड़ा को सबके सामने व्यक्त नहीं करना चाहिए क्योंकि लोग हमारा मजाक बनाते हैं और हमारी पीड़ा को बाँटते नहीं हैं।

प्र०5. रहीम ने सच्चा मित्र किसे कहा है?

उत्तर:– सच्चा मित्र वही होता है जो मुसीबत में हमारा साथ दे।

प्र०6. वाणी कड़वी हो तो उसका क्या असर पड़ेगा?

उत्तर:– वाणी कड़वी हो तो उसका बहुत बुरा असर पड़ता है। उन्हें कोई पसंद नहीं करता। सभी उन्हें दूर भगाते हैं।

भाषा की बात

✡ समान लय वाले शब्द लिखिए:–

क. रीत — गीत, शीत ग. खात — बात, रात

ख. पान — मान, खान घ. नर — वर, घर

✡ शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए:—

लघु	अपना
काक	सज्जन
पिक	कौवा
सुजान	कोयल
निज	छोटा

धन्यवाद